हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 204 Saturday, 17 May 2025 शनिवार, 17 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

दिल्ली की सड़कों पर अगले दो महीने में आएंगी 500 बसें, मंत्री ने नई ई-बसों की तैनाती की समीक्षा की

नई दिल्ली(एजेंसी),

दिल्ली की सड़कों पर अगले दो महीने में 500 बसें आएगी। शनिवार को परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में नई ई-बसों की उपलब्धता को लेकर एक समीक्षा बैठक की। इसमें परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी, स्विच मोबिलिटी, जेबीएम जैसी प्रमुख बस कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ा कदम

- रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का बन गया है प्रस्ताव

आधुनिक हथियारों और तकनीक पर होगा सरकार का फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा। बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था। इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5 फीसदी ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए दिए थे। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे। बॉर्डर पार किए बिना भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी कैंप्स नष्ट किए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमला किया था। इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला किया, लेकिन भारत की मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग हर पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को बेअसर कर दिया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस की एस-400, बराक-8 मीडियम रेंज सिस्टम और स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम को तैनात किया था। इसके अलावा पिकोरा, लो-लेवल एयर डिफेंस गन के जरिए भी पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमले नाकाम किए। भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया के पांचवे सबसे बड़े देश भारत का सैन्य खर्च 1.6 फीसदी बढ़कर 86.1 बिलियन डॉलर हो गया है।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने खोला नया 'राज'

- कहा-हाशिए पर खड़े समुदाय के डर से मोदी करा रहे हैं जाति जनगणना

दरभंगा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हाशिए पर पड़े समुदायों के डर से जाति जनगणना का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इन वंचित वर्गों के लिए खड़ा है। गांधी ने बिहार के दरभंगा में छात्रों से बातचीत की, जहां चुनाव होने वाले हैं। स्थानीय प्रशासन ने कथित तौर पर विपक्षी नेता को कार्यक्रम स्थल पर

पहुंचने से रोकने का प्रयास किया था। राहुल गांधी ने दावा किया कि हमने मोदी से कहा कि आप संविधान को अपने सिर से छू लें और उन्होंने ऐसा ही किया। हमने उनसे यह भी कहा था कि आपको जाति जनगणना करानी होगी। दोनों मौकों पर मोदी ने आप लोगों की नाराजगी के डर से हमारी मांगें मान लीं। उन्होंने आरोप लगाया और कहा कि लेकिन सच्चाई यह है कि उनकी सरकार अंबानी, अडानी और उनके जैसे लोगों के हितों की सेवा करती है। यह व्यवस्था पांच प्रतिशत आबादी के लाभ के लिए काम कर रही है। दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की कोई सुनवाई नहीं है, चाहे वह सरकार हो, कॉर्पोरेट जगत हो या फिर मीडिया हो।

'सुप्रीम' आदेश, केंद्र जल्द नए स्पेशल पॉक्सो कोर्ट बनाए

- कहा-300 पेंडिंग केस वाले जिलों को प्राथमिकता दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सरकार को निर्देश दिया कि वह बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों के मामलों से निपटने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पाक्सो कोर्ट बनाए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों ने स्पेशल पाक्सो कोर्ट बनाए हैं, लेकिन तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में केस पेंडेंसी के चलते और ज्यादा

कोर्ट बनाए जाने की जरूरत है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा कि यौन अपराधों से बच्चों के संर अधिनियम के मामलों के लिए स्पेशल कोर्ट कम होने के कारण मामले की जांच करने के लिए डेडलाइन का पालन नहीं हो पा रहा है। कोर्ट ने पॉक्सो केस के लिए निर्धारित डेडलाइन के अंदर ट्रायल पूरा करने के अलावा निर्धारित अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट और एमिकस क्यूरी वी गिरी और सीनियर एडवोकेट उत्तरा बब्बर को पाक्सो कोर्ट की स्थिति पर राज्यवार डीटेल देने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उसने बाल बलात्कार की घटनाओं की संख्या में खतरनाक वृद्धि को हाइलाइट करते हुए एक्शन लिया था।

ऑपरेशन सिंदूर का दुनिया भर में संदेश देगी सरकार

- सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजेगी दूर दुनिया के देश
- ओवैसी, थरूर और सलमान को भी भेज सकती है विदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत कूटनीतिक कदम आगे बढ़ा रहा है। मोदी सरकार अब ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचाना चाहती है। जिसके लिए केंद्र सरकार आने वाले दिनों में कई देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए सरकार ने कई विपक्षी सांसदों से संपर्क किया है और उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजी जाने वाली टीमों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। सरकार विदेशों में विशेष दूत भेजने के बारे में सोच रही है, ताकि यह बताया जा सके कि भारत किस तरह एकजुट है और पहलगाम आतंकवादी हमले को झेला है। सूत्रों के अनुसार, सरकार अलग-अलग समूह बनाने के बारे में सोच रही है, मुख्य रूप से संसदीय स्थायी समितियों से शुरुआत करके, जो प्रभावी रूप से यह दर्शा सकें कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों के हमले के बाद भारत एकजुट है। सूत्रों ने बताया कि वे सबसे पहले यूरोप और खाड़ी देशों का रुख करेंगे। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि प्रभावी ढंग से यह संदेश दिया जाए कि भारत में पहले हमला हुआ था, और उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंक

ठिकानों पर हमले किए। इसी प्रकार के अभ्यास 1994 में तथा पुनः 2008 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों और नेटवर्कों द्वारा भारत पर किये गए हमलों के बाद किये गये थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई विपक्षी सांसदों को फोन करके राष्ट्रीय हित प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। बताया जा रहा है कि सरकार जिन सांसदों के संपर्क में है, उनमें कांग्रेस के शशि थरूर और सलमान खुर्शीद, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, डीएमके की कनिमोझी और बीजेपी के बीजे पांडा शामिल हैं। खुर्शीद पूर्व विदेश मंत्री हैं, जबकि थरूर विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं।

भुज एयरबेस पहुंचे राजनाथ

जवानों का बढ़ाया हौसला

- रक्षामंत्री बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं, यह सिर्फ ट्रेलर

कहा-समय आने पर दुनिया को दिखाएंगे पूरी की पूरी पिक्चर

अहमदाबाद (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के ब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया। इससे पहले गुरुवार को राजनाथ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे।

पाकिस्तान में गिरी मिसाइलों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी

राजनाथ ने कहा- आपने पाकिस्तान के भीतर मिसाइलें गिराई हैं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। वह गूंज आपके शौर्य की, जवानों के पराक्रम की। भारतीय वायुसेना ने प्रभावी भूमिका निभाई, जिसकी सराहना दुनिया के दूसरे देशों में भी हो रही है। आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व एयरफोर्स ने किया, जो ऐसी स्काई फोर्स है, जिसने अपने शौर्य और पराक्रम से नई ऊंचाइयों को भी छू लिया है। राजनाथ ने कहा- कोई छोटी बात नहीं है कि हमारी एयरफोर्स की पहुंच पाकिस्तान के हर कोने तक है। भारत के फाइटर प्लेन बिना सरहद पार किए पाकिस्तान के हर कोने तक वार करने में सक्षम है। पूरी दुनिया ने देखा कि आपने कैसे 9 आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा- मैं मानता हूं कि आज के समय में पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता टेरर फाइनेंसिंग से कम नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के माथे पर खतरे की लाल लकीर

राजनाथ ने कहा- आपके पराक्रम ने दिखा दिया है कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं शौर्य का प्रतीक है। यह वह सिंदूर है जो सौंदर्य नहीं, संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। इस लड़ाई में सरकार और सभी नागरिक एकजुट थे। भारत का हर नागरिक इसमें सिपाही की तरह भागीदार रहा। राजनाथ ने कहा- अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का मसला नहीं, बल्कि ये नेशनल डिफेंस का हिस्सा बन चुकी है। हम इसे जड़ से खत्म करेंगे। अब भारत पहले का भारत नहीं है, नए भारत का जन्म हो चुका है। राजनाथ ने कहा- इस ऑपरेशन में आपने जो किया है, सभी हिंदुस्तानी उससे गौरवान्वित हैं। भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकवाद के अजगर को कुचलने के लिए। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी करते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों को निपटा दिया।

काटे गए जंगलों को बहाल करो या फिर 'जेल' जाओ

- सुप्रीम कोर्ट की तेलंगाना सरकार को कड़ी चेतावनी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर गाचीबोवली के वन क्षेत्र को दो महीने में पहले जैसा नहीं किया गया तो मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को जेल भेजा जाएगा। यह वन क्षेत्र हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पास है। इसे एक आईटी सेंटर बनाने के लिए समतल कर दिया गया था। कोर्ट इस मामले को लेकर सख्त है। चीफ जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ए.जी. मसीह की बेंच ने तेलंगाना सरकार के वकील ए.एम. सिंघवी से पूछा कि क्या पेड़ काटने से पहले कोई वन विभाग से अनुमति ली गई थी। सिंघवी कोर्ट को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि जंगलों को बचाते हुए आईटी सेंटर बनाना क्यों जरूरी है। कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने (तेलंगाना सरकार) पर्यावरण विभाग से अनुमति ली थी। अगर आप खुद को अदालत की अवमानना से बचाना चाहते हैं, तो इसे ठीक करने के उपाय करें। नहीं तो, आपके मुख्य सचिव को जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

एस जयशंकर ने तालिबान के विदेश मंत्री से पहली बार की बात

- अहम मुद्दों पर हुई चर्चा, पाकिस्तान का तिलमिलाना हुआ तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ फोन पर बात की। इस बातचीत में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के कोशिशों का भी जिक्र हुआ। पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि भारत ने अफगानिस्तान को भी मिसाइलों से निशाना बनाया था। भारत ने इसे सिरे से खारिज किया था। यह भारत और अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन के बीच पहली मंत्री स्तरीय बातचीत है। विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी मुत्ताकी के साथ अच्छी बात हुई। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि वह पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उनकी ओर से की गई भर्त्सना को सराहते हैं। साथ ही उन्होंने आधारहीन रिपोर्ट के जरिए दोनों देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिशों को मुत्ताकी की ओर से खारिज किए जाने का स्वागत किया। जयशंकर ने लिखा कि

अफगान लोगों के साथ पारंपरिक दोस्ती को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि इस सहयोग को आगे कैसे लेकर जाया जा सकता है। इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भारत और पाकिस्तान के बीच मिसाइल के अफगानिस्तान में क्रैश होने को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि सब जानते हैं कि पिछले डेढ़ साल से अफगानिस्तान पर कौन हमले कर रहा है। 28 अप्रैल को विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने मुत्ताकी से मुलाकात की थी। भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव के बीच भारतीय प्रतिनिधिमंडल काबुल गया था जहां द्विपक्षीय व्यापार और सहयोग को लेकर चर्चा हुई थी।

सड़क पर उतरे बंगाल में नौकरी गंवाने वाले टीचर्स

- कहा-ममता बनर्जी हमसे खुद बात करें, पुलिस से झड़प में 100 शिक्षक घायल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ का लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार सुबह शिक्षकों ने शिक्षा विभाग के मुख्यालय 'विकास भवन' के बाहर बैरिकेडिंग तोड़ दी और नारेबाजी करते हुए धरना शुरू किया। गुरुवार रात शिक्षकों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब 100 शिक्षक घायल हुए हैं।

जम्मू और कश्मीर में तुलबुल प्रोजेक्ट पूरा करने की उठी मांग

पाकिस्तान ने इस बैराज का रुकवाया था काम, अब अपनी बारी

कश्मीर के लोग बोले-38 साल बाद जवाब देने का मिला मौका

श्रीनगर (एजेंसी)। सिंधु जल संधि रुकने से उत्तरी कश्मीर के बारामूला, बांदीपोरा और दक्षिण कश्मीर के श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम के गांवों के किसान खुश हैं। उनका कहना है कि 38 साल बाद भारत को तुलबुल बैराज का काम शुरू करने का मौका मिला है। भारत ने इसका काम 1984 में शुरू किया था। इससे दक्षिण से उत्तरी कश्मीर तक 100 किमी का नौवहन कॉरिडोर बनता और कश्मीर की लाइफलाइन झेलम का पानी रुकता और नदी में कभी सूखा नहीं पड़ता। एक लाख एकड़ जमीन सिंचित रहती, लेकिन 1987 में पाक ने इसे सिंधु जल संधि का उल्लंघन बताते हुए काम रुकवा दिया था। अब हालात बदले हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी गुरुवार को संकेत दिए कि जब सिंधु संधि निलंबित हो चुकी है तो तुलबुल प्रोजेक्ट फिर शुरू करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान

बोले-सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक, कांग्रेस ने कहा- ये सेना के शौर्य का अपमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है। वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम ने सफाई दी।

संपादकीय

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने की युक्तियां चीन सदा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं।

2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी। उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती।

हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है, मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों,

सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है। मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती।

अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है।

चीन अच्छी तरह जानता है कि केवल जगहों के नाम बदल देने से वह इलाका उसका नहीं हो जाएगा। मगर फिर भी इस तरह की हरकतें करके वह समझता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे स्वीकार कर लेगा। पिछले ओलंपिक के समय अरुणाचल की दो खिलाड़ियों को इसलिए उसने प्रवेश से रोक दिया था कि अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम वह स्वीकार नहीं करता।

कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। विचित्र है कि वह सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की बातें तो करता है, पर इसके लिए कोई गंभीर पहल कभी नहीं करता।

सेना में महिलाओं की संख्या को लेकर सवाल

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्राय: सवाल उठते रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रॉकेट उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

आज का कार्टून

दुनिया को समझना होगा, भारत का न्यू नॉर्मल

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टत: चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे-तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी-बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू-इंदिरा के शासन में पली पूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नाराशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुन: सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सक्षमता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन-मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुन: सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र-शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का न्यू नॉर्मल है। और इस न्यू नॉर्मल को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

समय को दोष देना छोड़ करना चाहिए सकारात्मक कार्य

बचपन से ही हम यह सुनते आए हैं कि दुनिया तेजी से बदल रही है। लोग कहते हैं- समय बहुत बदल गया है। लेकिन समय वैसा ही है, जैसा पहले था। साल के वही बारह महीने हैं, दिन के वही चौबीस घंटे, सूरज अब भी पूर्व दिशा से ही निकलता है और चंद्रमा आज भी अपनी तय गति से आसमान में चलता है। प्रकृति ने अपनी लय नहीं बदली, ब्रह्मांड का संचालन यथावत है। बदलाव अगर नहीं आया है, तो वह हमारी सोच में, जीवनशैली में और हमारे दृष्टिकोण में।

मुनीष भाटिया

हमारी मानसिकता आज ऐसी हो गई है कि हम अपनी असफलताओं और कठिनाइयों का उत्तर समय पर मढ़ देते हैं। हमारी यह आदत बन चुकी है कि जब किसी कार्य में सफलता नहीं मिलती, तो हम तुरंत कह देते हैं- 'अब पहले जैसा समय नहीं रहा।' लेकिन सच्चाई यह है कि समय को दोष देकर हम अपने कर्तव्यों से बच नहीं सकते। समय तो एक मौन साक्षी है, जो न किसी की प्रशंसा करता है, न आलोचना। वह केवल चलता रहता है। हर युग में समय ने किसी को महान बनाया है, तो किसी को नष्ट भी किया है। यह सब उस व्यक्ति की सोच, उसके कर्म और दृष्टिकोण पर निर्भर रहा है।

आज हम एक ऐसे दौर में हैं जहां तकनीक, संसाधन और अवसर पहले से कहीं अधिक हैं। बावजूद इसके, लोग अधिक तनावग्रस्त हैं, अधिक असंतुष्ट हैं। इसका कारण केवल बाहरी नहीं, आंतरिक है। हमारी सोच नकारात्मकता से भर गई है, हमारी सहनशीलता में कमी आई है और हमने अपने जीवन की बागडोर दूसरों या 'समय' के हाथों में सौंप दी है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन की दिशा और दशा हमारे ही हाथ में होती है। हम जैसा सोचते हैं, महसूस करते हैं, वैसा ही जीवन बनाते हैं। हमारी इस प्रवृत्ति का असर हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र पर भी पड़ता है। जब कोई युवा प्रयास करने से पहले ही यह मान लेता है कि 'अब समय अच्छा नहीं है', तो वह कभी पूरी तरह प्रयास ही नहीं करता। जब कोई बुजुर्ग वर्तमान पीढ़ी की आलोचना करते हुए कहता है कि 'हमारे समय में ऐसा नहीं होता था', तो वह अपनी जिम्मेदारी से बच जाता है। समय को कोसना आसान है, लेकिन आत्ममंथन करना कठिन। और हम आसान रास्ता चुनते हैं।

यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रही। यह समाज की सोच बन चुकी है। हम अपने आसपास देख सकते हैं कि कैसे ज्यादातर लोग अपनी असफलता, आलस्य और कमजोरी का कारण समय को मानते हैं। लेकिन वह समय किसी अन्य व्यक्ति के लिए अवसर बन जाता है। इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब विषम परिस्थितियों में भी कुछ लोगों ने असाधारण कार्य किए। उन्होंने समय को साधन नहीं माना, बल्कि साधना का माध्यम बनाया। हमें यह समझना होगा कि सोच की शुद्धता ही जीवन में सच्चा परिवर्तन ला सकती है। कोई भी व्यक्ति एक दिन में सफल नहीं होता, लेकिन हर दिन का छोटा प्रयास मिलकर बड़ी सफलता का आधार बनता है। और यह तभी संभव है जब हम समय से भागें नहीं, बल्कि उसका सम्मान करें, इसका उपयोग करें।

समय न किसी के पक्ष में है, न विरोध में। वह केवल अवसर देता है- हर व्यक्ति को, हर दिन को। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उस अवसर का क्या करते हैं। जो लोग समय को दोष देने में लगे रहते हैं, वे प्रगति की राह से भटक जाते हैं। वहीं, जो व्यक्ति समय को साधते हैं, अनुशासन में रहते हैं और हर दिन को एक नई शुरूआत मानते हैं, वे अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयां छूते हैं। इसके लिए हमें आत्मचिंतन की आवश्यकता है। हमारी सबसे बड़ी जंग बाहरी हालात से नहीं, हमारी आंतरिक सीमाओं से है। जब तक हम अपनी सोच को परिवर्तित नहीं करेंगे, तब तक कोई भी परिस्थिति हमारे अनुकूल नहीं बन सकती।

हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि सकारात्मक परिवर्तन केवल सोचने से नहीं आता, उसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मनियंत्रण चाहिए। हमें खुद को उन आदतों से मुक्त करना होगा जो हमारी प्रगति में बाधा बनती हैं। जैसे टालमटोल की प्रवृत्ति, दूसरों को दोष देना, और निरंतर शिकायत करना। जब हम इन आदतों से ऊपर उठते हैं, तभी हम जीवन की वास्तविक उन्नति की ओर बढ़ सकते हैं। परिवर्तन की यात्रा स्वयं से शुरू होती है। अगर हम चाहते हैं कि समाज बदले, देश बदले, तो पहले हमें स्वयं को बदलना होगा। अपने विचारों को ऊंचा करना होगा, अपने कार्यों को उद्देश्यपूर्ण बनाना होगा और हर दिन को एक नई शुरूआत की तरह जीना होगा। यही वह रास्ता है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

अपने बच्चों को भी हमें यही सिखाना चाहिए कि समय को दोष देना एक कमजोर सोच है। उन्हें यह सिखाना होगा कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ सकारात्मक पाया जा सकता है, अगर दृष्टिकोण सही हो। इसके लिए सबसे जरूरी है कि हम स्वयं उस सकारात्मकता के उदाहरण बनें। हमारे कर्म, हमारी ईमानदारी और हमारी जीवनशैली ही उनके लिए सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत हो सकती है। समय एक दर्पण की तरह है। वह वही दिखाता है जो हम हैं। अगर हम उसमें सफलता, आशा और ऊर्जा देखना चाहते हैं, तो पहले हमें वह सब अपने भीतर पैदा करना होगा। समय को दोष देना छोड़कर अगर हम हर दिन को अवसर की तरह देखें और अपने विचारों तथा कर्मों को उसकी दिशा में लगाएं, तो वही समय जो हमें अब कठिन लगता है, वही हमारी सफलता की कहानी बन सकता है। समय नहीं बदला है। अगर किसी में बदलाव की जरूरत है, तो वह हम हैं। हमारा दृष्टिकोण, अनुशासन और हमारी कर्मनिष्ठा ही इस जीवन की असली दिशा तय करेंगे। यही सच्ची प्रेरणा है, यही सच्चा आत्मबोध।

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।

आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया'

सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल- हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

ज़ायद खान की ओटीटी मूवी द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ में 22 कैमियो और एक धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

मां श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर बोलीं पलक तिवारी

'किसी का भाई किसी की जान', 'द भूतनी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने बातचीत के दौरान अपनी मां, टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि उनसे तुलना करना सही नहीं है। पलक ने मां से तुलना किए जाने पर कहा कि उनकी मां का करियर शानदार और सफल रहा है, जबकि वह अभी शुरुआती दौर में हैं। ऐसे में तुलना करना गलत है। बिजली-बिजली गर्ल के नाम से मशहूर पलक अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं। खुद को अपनी मां की तरह ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ दर्शकों के सामने पेश करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से की जाए - यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। अगर मैं दर्शकों से उनके जितना जुड़ पाती हूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगी।

मनोरंजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही गुड्डू धनोआ के निर्देशन में तैयार रोमियो एस 3 में नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, रोमियो एस 3 मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। गुड्डू सर ने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का जो अवसर दिया, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शूटिंग के दौरान मुझे यही लगता था कि मुझे अपना बेस्ट देना है। उन्होंने बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और वह बेहतरीन निर्देशक हैं। उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। पलक ने आगे बताया, एक्शन फिल्में मजेदार होती हैं और इसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। फिल्म में काम करना मेरे लिए रोमांचक रहा। रोमियो एस 3 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, ठाकुर अनूप सिंह पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखेंगे।

जय हनुमान से जुड़े भूषण कुमार, नॉर्थ इंडिया में प्रेजेंट करेंगे ऋषभ शेट्टी की अगली फिल्म

'कांतारा' स्टार ऋषभ शेट्टी अब एक और ऐतिहासिक व पौराणिक फिल्म 'जय हनुमान' लेकर आ रहे हैं। 'हनु मान' को बनाने वाले प्रशांत वर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। अब ताजा जानकारी ये है कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार इस फिल्म को प्रेजेंट करेंगे।

भूषण कुमार के मैत्री मूवी मेकर्स के साथ जुड़ने से यह एक बड़ा कोलैबरेशन हो गया है। दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्सुक हैं। इस नए कोलैबरेशन के बारे में बात करते हुए भूषण कुमार ने कहा, जय हनुमान के साथ हम बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक रूप से जुड़ी इस कहानी कहने में आगे बढ़ रहे हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के साथ सहयोग करते हुए हम एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो भारतीय सिनेमा और भक्ति का उत्सव है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी का अभिनय इसे और खास बनाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने कहा, हमें हर जगह के दर्शकों के लिए 'जय हनुमान' लाने पर गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो हमारे दिल के करीब है। हम फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी को शामिल करके खुश हैं। टी-सीरीज के साथ जुड़ने से हम काफी उत्साहित हैं और फिल्म को और भी बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत वर्मा का ड्रीम प्रोजेक्ट है 'जय हनुमान'

निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। जो पौराणिक कथाओं को आधुनिक फिल्म निर्माण की तकनीकों से साथ जोड़ता है।

सलमान खान की ये नई फिल्म डिब्बा बंद, साजिद नाडियाडवाला की 'किक 2' भी हाशिये पर

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव में युद्ध विराम के एलान के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जो कुछ लिखा, और, उसके खिलाफ उनको जिस तरह का विरोध झेलना पड़ा, उसने हिंदी फिल्म जगत को चौंका दिया है। नतीजा ये हुआ है कि सलमान की भारत-चीन सैन्य तनाव पर प्रस्तावित फिल्म के लिए कोई भी फिल्म निर्माता तैयार नहीं हो रहा है। इससे पहले निर्देशक कबीर खान सलमान खान की तमाम ख्वाहिशों के बावजूद 'बजरंगी भाईजान' की सीक्वल शुरू करने से मना कर चुके हैं।

सलमान खान का हिंदी फिल्म दर्शकों में कभी जबर्दस्त क्रेज रहा है और उनकी औसत फिल्मों को भी ईद पर मिलने वाली बड़ी सफलता इसका गवाह रही हैं, लेकिन अब मौसम बदल रहा है। निर्माताओं ने भी अपनी कुर्सी की पेटियां कस ली हैं और वह अब ऐसी किसी फिल्म के साथ आगे नहीं बढ़ने की सोच रहे हैं, जिसमें सलमान खान का सोलो लीड रोल हो। हाल ही में गलवान घाटी की घटना पर एक फिल्म शुरू होने की बातें इंटरनेट पर खूब हुई। लेकिन, इस फिल्म के सामने भी संकट गहरा रहा है।

निर्देशक अपूर्व लखिया के निर्देशन में प्रस्तावित गलवान घाटी वाली फिल्म का मामला अब ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। इस फिल्म के चलते सलमान खान का फौजी की ड्रेस में एआई से बना एक पोस्टर भी खूब वायरल हुआ लेकिन ये फिल्म अब तक शुरू नहीं हो सकी है। सलमान के करीबी सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अब तक कोई प्रोड्यूसर ही तैयार नहीं हुआ है। वहीं, सलमान खान की राजश्री फिल्म्स के साथ लंबे अरसे से प्रस्तावित अगली फिल्म पर भी निर्देशक सूरज बड़जात्या ने फैसला फिलहाल टाल दिया है।

सलमान खान की संजय दत्त के साथ बन रही एक फिल्म के भी हाशिये पर चले जाने की खबरें हैं और ले देकर अब इस समय सलमान खान के पास सिर्फ एक ही पूर्व घोषित फिल्म है, 'टाइगर वर्सेस पठान', जिस पर इसके आदित्य चोपड़ा ने कैंसिल का निशान तो नहीं लगाया है, पर ये कब शुरू होगी, इसकी तारीख भी नहीं बताई है। सलमान खान की पिछली दोनों फिल्में 'टाइगर 3' और 'सिकंदर' काफी बड़े बजट की फिल्में रही हैं और दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर सफल नहीं रहीं। बताते हैं कि यही वजह है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला सलमान के साथ प्रस्तावित अपनी अगली फिल्म 'किक 2' पर अब बात भी नहीं करते, वहीं यशराज फिल्म्स से जुड़े लोग ये भी शंका जाहिर करने लगे हैं कि शायद अब 'टाइगर वर्सेज पठान' बने ही नहीं। सलमान खान को लेकर कुछ निर्देशकों ने लीड कैरेक्टर रोल जैसी फिल्में भी तैयार की हैं लेकिन वह हीरोइन के साथ गानों का मोह छोड़ 'इक्कलाइजर' या 'टेकेन' सीरीज जैसी कोई फिल्म करेंगे भी कि नहीं, इसे लेकर निर्देशकों में अभी उहापोह जारी है।

दिल रो रहा था, पर सेट पर जश्न मना रही थी, नानी को खोकर टूट चुकी थी

टीवी शो मन की आवाज़ प्रतिज्ञा से छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाने वाली ऐक्ट्रेस पूजा गौर ने फिल्म केदारनाथ से बड़े पर्दे पर बड़ी छलांग लगाई। वहीं, ओटीटी पर वह गन्स ऐंड गुलाब्स और आईसी 814- द कंधार हाइजैक जैसी चर्चित वेब सीरीज में अहम किरदारों में दिखीं। इन दिनों सीरीज अदृश्यम 2 में साहसी एजेंट दुर्गा के रूप में चर्चा बटोर रहीं पूजा से खास बातचीत

आपने टीवी से फिल्मों और ओटीटी की ओर बड़ी सफलतापूर्वक ट्रांजिशन किया। यह कितना मुश्किल या आसान था?

ये यह नहीं कहूंगी कि यह बहुत आसान था। चुनौतियां काफी थीं, क्योंकि यहां कभी आपको वजह नहीं पता चलती कि फलां रोल आपको क्यों नहीं मिला? कोई आपको मुंह पर नहीं बोलता। पहले शायद ऐसा होता कि टीवी में काम करने की वजह से फिल्मों में रोल ना मिलते हों, मगर अब चीजें बहुत बदल गई हैं। अब फिल्ममेकर्स अच्छे ऐक्टर्स का स्वागत कर रहे हैं। अब टीवी ऐक्टर, फिल्म ऐक्टर जैसा कुछ नहीं रहा। अब सभी को अच्छा ऐक्टर चाहिए, तो मेरा लक्ष्य ये रहता है कि मैं जो करूं, उसे और बेहतर करती रहूं। बाकी, क्यों, क्या, कैसे?, कौन क्या कह रहा है, उसे दिमाग में नहीं रखती।

प्रतिज्ञा हो या एजेंट दुर्गा, आपने पर्दे पर ज्यादातर सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। क्या इसके पीछे औरों को इंस्पायर करने की सोच रहती है?

मैंने कभी ये सोचा नहीं कि मुझे स्ट्रॉन्ग औरत या दूसरों को प्रेरित करने वाला किरदार ही करना है। यह मेरी किस्मत है कि मेरी झोली में ऐसे ही किरदार गिरे। शायद निर्माताओं को मुझमें वह खूबी दिखती हैं कि मैं इन सशक्त किरदारों के साथ न्याय कर सकती हूं और इसके लिए मैं ऊपर वाले का शुक्रिया करती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे इतने अच्छे किरदार मिले जो खुद मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं। दूसरों की बात तो बाद में आती है, मैं खुद अपनी जिंदगी में इन किरदारों से काफी सीख लेती हूं। जैसे, दुर्गा से भी मैंने काफी सीखा। एक सबसे अहम चीज जो मैंने सीखी, वह यह कि अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच कैसे तालमेल बिठाना है। अपनी भावनाओं को कैसे कंट्रोल करना है कि आपके अंदर जो भी चल रहा हो, उसे अपने कर्तव्य के बीच में नहीं ला सकते।

कर्तव्य के बीच में निजी मुश्किलों को ना आने देना यानी द शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति तो कलाकारों की जिंदगी का भी अहम हिस्सा है। आपके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ है?

जी, बिल्कुल हुआ है। जब मेरा शो प्रतिज्ञा चल रहा था, तब मेरी नानी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। मैं उनके बहुत ही ज्यादा क्लोज थी, मगर जब मुझे खबर मिली कि वह नहीं रही, उस वक्त हमारा बैक टू बैक शूट चल रहा था। हालत ऐसी थी कि हम दिन भर शूट करते थे और रात में टेलिकास्ट होता था, तो नानी के गुजरने की खबर सुनकर भी मुझे शूट करते रहना पड़ा। जबकि मेरा दिल रो रहा था। आज भी मुझे उनकी उतनी ही याद आती हैं, तो उस वक्त तो मैं टूट चुकी थी, पर हमारा टेलीकास्ट था। यही नहीं, इत्तेफाक से वे सीन बहुत पॉजिटिव, जश्न और खुशी के सीन थे तो अंदर की भावनाओं को दबाकर, एक मुखौटा लगाकर वो सीन करना मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था।

आपने पहले किक बॉक्सिंग सीखी थी, एक एजेंट का रोल करते हुए वह ट्रेनिंग कितनी काम आई?

असल में मैंने किक बॉक्सिंग फिजिकल फिटनेस के लिए सीखी थी, क्योंकि मैं सिर्फ जिम नहीं जाना चाहती थी। मुझे कोई नया स्किल सीखना था और मुझे लगा कि किक बॉक्सिंग में मजा आएगा। इसलिए, मैंने कुछ टाइम के लिए वो सीखा। निश्चित तौर पर इस शो में उसका फायदा मिला, क्योंकि उसमें कॉम्बैट की कुछ तकनीक सिखाई जाती है। हालांकि, मैंने बहुत बेसिक सीखा था, मगर वह इस शो का हिस्सा बनने के लिए आधार बना, क्योंकि इस किरदार की तैयारी के लिए भी मैंने कॉम्बैट तकनीक सीखी, चाहे वो हैंड टू हैंड कॉम्बैट हो या बंदूक कैसे पकड़ना है जैसी चीजें, ये चीजें निश्चित तौर पर वह ट्रेनिंग काम आईं।

केदारनाथ में सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव कैसा रहा था?

सुशांत कमाल का ऐक्टर था। हमने अपना करियर साथ में शुरू किया था। हमने लगभग एक समय में अलग-अलग प्रॉजेक्ट में अपने करियर की शुरुआत की थी, तो मैं केदारनाथ से पहले से उसे जानती थी। उसमें बहुत सारी खूबियां थीं। अपने किरदार में ढल जाना, जुनूनी, वह अपनी बेहतरीन और अपनी तरह के अनूठे थे।

सीएम जनसुनवाई से परिवादियों को मिल रही बड़ी राहत समस्याओं के समाधान से आमजन की राह हो रही आसान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से सीएमआर पर की जा रही नियमित जनसुनवाई से परिवादियों को बड़ी राहत मिल रही है। आमजन की समस्याओं के समधान से राह आसान हो रही हैं। सीएम ने जन सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

मीनाक्षी करेगी अपने सपनों को पूरा

गंगापुर सिटी निवासी कैलाश चन्द्र सेन पारिवारिक आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी मीनाक्षी का स्थानीय विद्यालय में दाखिला नहीं करवा पा रहे थे। कैलाश जनसुनवाई में आकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी परिवेदना प्रस्तुत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बालिका का नजदीक विद्यालय में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। आज मीनाक्षी नजदीक के विद्यालय में आरटीई के तहत निःशुल्क अध्ययन कर रही है और बडे गर्व से कहती है कि मैं आगे बढ़ूंगी और अपने माता-पिता का नाम रोशन करूंगी।मजदूर परिवार हुआ मजबूत, नियमित मिल रहा राशन- मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे मुकेश ने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया। इस पर शर्मा संवेदनशीलता दिखाते हुए मुकेश को त्वरित राहत देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में अधिकारियों ने मुकेश का नाम खाद्य सुरक्षा में जुड़वाया। अब मुकेश को नियमित राशन उपलब्ध हो रहा है।

आयुष्मान दुर्घटना बीमा में मिला मुआवजा

ऑटो-रिक्शा चलाने वाले हरीश के बेटे रोहित का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। इस अकस्मात निधन के परिणामस्वरूप हरीश का पूरा परिवार विषम आर्थिक स्थितियों से जूझ रहा था। इसके साथ ही निश्चित समयावधि में हरीश मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत आवेदन भी नहीं कर पाए, जब हरीश ने योजना के तहत मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष फरियाद की तो शर्मा ने प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए, इसके बाद हरीश को बड़ी राहत मिल सकेगी। मुकेश, मीनाक्षी, हरीश तो के वल कुछ ही नाम है, लेकिन लाखों-हजारों परिवादियों को मुख्यमंत्री की नियमित जनसुनवाई में अपनी समस्याओं का समाधान मिल रहा है।

जयपुर एयरपोर्ट पर असीमित मुफ्त वाई-फाई सेवा की शुरुआत

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए हाईस्पीड और असीमित मुफ्त वाई-फाई सेवा शुरू की गई है। पहले जहां यात्रियों को सिर्फ 2 घंटे की वाई-फाई सुविधा मिलती थी, अब उन्हें असीमित वाई-फाई का लाभ मिलेगा। इस नई सेवा का लाभ विशेष रूप से घरेलू यात्रियों को मिलेगा। यात्री इस सेवा का उपयोग अडानी वन एप के माध्यम से कर सकते हैं। वाई-फाई से कनेक्ट होने के लिए उन्हें नेटवर्क चुनने के बाद ओटीपी आधारित सत्यापन प्रक्रिया को पूरा करना होगा। एक बार कनेक्ट होने के बाद यात्री इंटरनेट का उपयोग, ईमेल चेक करने, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और वीडियो स्ट्रीमिंग जैसी सुविधाओं का आनंद उठा सकेंगे। यह सेवा यात्रियों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी, जो उनकी यात्रा के दौरान कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी।

जयपुर से वाराणसी के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सीधी उड़ान शुरू, यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा

जयपुर। जयपुर से वाराणसी के लिए 1 जून से एयर इंडिया एक्सप्रेस सीधी फ्लाइट शुरू करने जा रही है। इससे पहले फरवरी तक स्पाइसजेट की उड़ान संचालित थी। अब एक बार फिर से जयपुर और वाराणसी के बीच हवाई सेवा शुरू हो रही है।

इस बार एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा यह सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। फ्लाइट वाराणसी से शाम 5:30 बजे जयपुर पहुंचेगी और जयपुर से शाम 6 बजे वाराणसी के लिए रवाना होगी। यह फ्लाइट रोजाना संचालित होगी, जिससे यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा, वाराणसी से आगे यह फ्लाइट काठमांडू तक जाएगी। इस प्रकार जयपुर से नेपाल जाने वाले यात्रियों को भी कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा मिल सकेगी। नई उड़ान सेवा से दोनों शहरों के बीच यात्रा सुगम और तीव्र हो जाएगी।

खेत में बने फार्म पौंड में डूबने से 4 लोगों की मौत : मालिक ने सिंचाई के लिए बनवाया, सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए

दूदू। क्षेत्र में एक खेत पर बने खुले फार्म पौंड में डूबने से चार जनों की मौत हो गई। हादसा नेशनल हाईवे-48 पर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे बने खेत में हुआ। जहां खेत मालिक ने सिंचाई के लिए फार्म पौंड तो बनवा लिया, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए। मृतकों की पहचान दूदू के ककरालिया निवासी रामेश्वरी (20) पुत्री प्रकाश बावरिया, हेमा (20)पत्नी दिलखुश बावरिया, कमलेश (18) पत्नी जीवंत बावरिया और विनोद बावरिया (20) के रूप में हुई है।

अस्पताल में नहीं था कोई डॉक्टर -सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों के शवों को पानी से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सौंप दिए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चारों जने फार्म पौंड के पास गए थे, जहां पैर फिसलने चारों एक के बाद एक फार्म पौंड में डूबते चले गए। जब शवों को अस्पताल पहुंचाया तो वहां न तो कोई चिकित्सक मौजूद था, न ही स्ट्रेचर की व्यवस्था थी। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। हालांकि अधिकारियों ने समझाइश कर मामला शांत कराया।

सरकारी अस्पतालों में अब आधार कार्ड से भी मिलेगा निशुल्क इलाज फिलहाल जन आधार कार्ड ही है रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी

जयपुर। राजस्थान के सरकारी हॉस्पिटलों में अब जन आधार कार्ड नहीं होने पर भी मरीजों को निशुल्क इलाज का लाभ मिल सकेगा। अब जन आधार कार्ड के साथ ही आधार कार्ड से भी आर जीएचएस, मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मां योजना समेत अन्य योजना का फायदा मरीजों को मिल सकेगा। यानी अगर किसी मरीज के पास जन आधार कार्ड नहीं है तो वह आधार कार्ड से भी रजिस्ट्रेशन कराकर निशुल्क इलाज ले सके गा। इसके लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम यानी आईएचएमएस पोर्टल पर आने वाले दिनों में आधार नंबर के जरिए वेरिफिकेशन की सुविधा शुरू होगी। अभी पोर्टल पर केवल जन आधार से ही वेरिफिकेशन कर के व्यक्ति की पहचान होती है। अगर किसी व्यक्ति का जन आधार नहीं बना होता है तो उसे सरकारी हॉस्पिटल में इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है।

केन्द्र को पत्र लिखकर की थी मांग

आईएचएमएस पोर्टल पर के वल मरीज की पहचान करने के लिए जन आधार से ही वेरिफिकेशन की सुविधा है। कुछ समय पहले चिकित्सा विभाग ने इसे लेकर केन्द्र सरकार और यूआईडीएआई को पत्र लिखकर आधार वेरिफिकेशन की सुविधा शुरू करने की मांग की थी। इसके बाद पिछले दिनों यूआईडीएआई ने एक आदेश जारी करके चिकित्सा शिक्षा विभाग को आधार नंबर के जरिए व्यक्ति के वेरिफिकेशन की सुविधा प्रदान की थी। केन्द्र सरकार से अनुमति मांगी थी। केन्द्र ने मंजूरी दे दी है और अब जनाधार के साथ ही आधार कार्ड से भी मुफ्त इलाज का फायदा प्रदेश के मरीजों के मिलेगा। सभी अस्पतालों में इस माह के अंत तक इसे क्रियान्वित किए जाने का प्रयास रहेगा।

-अम्बरीष कुमार, सबसे ज्यादा एक करोड़ मुख्य चिकित्सा शिक्षा।

खेल परिषद ने राजस्थान रॉयल्स को थमाया नोटिस : सुविधाओं के उपयोग पर मांगे डेढ़ करोड़ रुपए

जयपुर। राजस्थान खेल परिषद ने रुपए स्टेडियम के मुख्य भवन के उपयोग के बदले मांगे हैं। मुख्य भवन के प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल के साथ लॉन, ऑफिस का बाहरी एरिया और फूड कोर्ट के बदले प्रति मैच 20 लाख रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। वॉकिंग ट्रेक पर लगाए 82 पोस्टरों और स्टेडियम के चारों ओर बनी सड़क पर लगे कुल 249 पोस्टरों के बदले साढ़े सोलह लाख रुपए शुल्क मांगा है। परिषद ने स्टेडियम में बनाए गए फूड डोम, जगह-जगह लगी फूड स्टॉल, तीरन्दाजी और फुटबाल ग्राउण्ड पर पार्किंग, स्टेडियम के मीटिंग हॉल, आरसीए एकेडमी में बनी ग्रीन बिल्डिंग आदि के उपयोग पर भी शुल्क लगाया है।

एडहॉक कमेटी ने परिषद से मांगे 70 लाख - दूसरी ओर आरसीए की एडहॉक कमेटी ने आईपीएल मैचों के आयोजन में आरसीए की मशीनरी और मैन पॉवर के उपयोग के बदले 70 लाख रुपए के भुगतान की खेल परिषद से मांग की है।

जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 मई को होने वाले राजस्थान रॉयल्स के आखिरी मैच से पहले ही फ्रेंचाइजी को झटका देते हुए डेढ़ करोड़ रुपए की वसूली का नोटिस भेज दिया है। परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया की ओर से दो दिन पहले भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि सवाई मानसिंह स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउण्ड के अलावा अन्य खेलों के मैदानों और परिसर के उपयोग के बदले राजस्थान रॉयल्स को एक करोड़ 49 लाख और 90 हजार रुपए का भुगतान करना होगा। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने परिषद के पत्र पर ऐतराज जताते हुए कहा कि एमओयू के तहत पूरा स्टेडियम परिसर टीम के उपयोग के लिए दिया गया है। उन्होंने परिषद से अपने पत्र को तुरन्त वापस लेने की मांग की।

बदमाशों ने मंदिर में घुसकर की साधु की हत्या, हमला कर धारदार हथियार से काटे पैर

भीलवाड़ा। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा धारदार हथियारों से एक मंदिर में पुजारी की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार रायपुर कस्बे में गत रात्रि बदमाशों ने माता के मंदिर में घुसकर वहां, सो रहे सुखानाथ पर हमला कर हथियार से पैर काट दिए और फिर उसे पूरे मंदिर में घसीटा, जिसके कारण मंदिर में खून ही खून फैल गया।

साधु के जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने के कारण आस-पास के लोग जग गए और मंदिर में पहुंचे, तब तक बदमाश मौके से भाग गए। लोगों ने रात्रि को ही साधु को रायपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से स्थिति गंभीर होने से भीलवाड़ा महात्मा गाँधी चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां गुरुवार अलसुबह उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके का मुआयना किया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

साइबर फ्रॉड मामले में सरगना समेत 6 आरोपी गिरफ्तार, साथियों के साथ चलाता है गैंग

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में ऑनलाइन ट्रेडिंग और गेमिंग के जरिए साइबर ठगी करने वाले 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी क्राइम कुंदन कमरिया ने बताया कि आरोपी मुकेश पारीक अपने अन्य साथियों के साथ सहित संगठित गिरोह चलाता है। गैंग ऑनलाईन ट्रेडिंग और गैमिंग फ्रॉड की राशि प्राप्त करने के लिए कमिशन पर खाता लेकर चाइनिज लोगों को सोशल मीडिया के जरिए विभिन्न देशों में विभिन्न कम्पनियों के ग्रुप्स बनाकर खाता उपलब्ध करवाने का काम करते हैं। इसके बदले में होने वाले ट्रांजेक्शन राशि का 3 से 5 प्रतिशत तक मुनाफा यूएसडीटी में लेता है। आरोपितों के कब्जे से 11 मोबाइल, एक लेपटोप बरामद किया गया हैं।

राहुल गांधी को विद्यार्थियों से मिलने से रोकना अलोकतांत्रिक

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पटना में विद्यार्थियों से मिलने से रोकने को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का दलितों, वंचितों एवं पिछड़े वर्ग को न्याय दिलाने के लिए चल रहे राहुल गांधी के प्रयास को रोकने की कवायद है, जो कभी सफल नहीं होगी।

गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह बात कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार में सामाजिक न्याय एवं शिक्षा के लिए आवाज उठाते हुए पटना में विद्यार्थियों से मिलने गए हैं। बिहार की राजग सरकार के प्रशासन द्वारा उन्हें वहां रोकने का प्रयास निंदनीय एवं अलोकतांत्रिक है।

उन्होंने कहा कि किस कानून के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को इस तरह रोका जा सकता है। यह एनडीए सरकार की दलितों, वंचितों एवं पिछड़े वर्ग को न्याय दिलाने के लिए चल रहे राहुल गांधी के प्रयास को रोकने की कवायद है, जो कभी सफल नहीं होगी।

राजस्थान विश्वविद्यालय का 34वां दीक्षांत समारोह : हरिभाऊ बागडे ने विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधियां, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय का 34वां दीक्षांत समारोह झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरि भाऊ बागडे की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने विशिष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल, पीएच.डी. और डी.लिट् उपाधियाँ प्रदान कीं।

समारोह में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बेरवा, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक गण, अभिभावक एवं अतिथि उपस्थित रहे।

भाजपा की तिरंगा यात्रा का जामा मस्जिद पर स्वागत

अल्पसंख्यक समुदाय ने लोगों पर बरसाए फूल, भजनलाल ने कहा- सेना ने आतंकी मास्कर भारत के ज्वार को किया शांत

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय सेवा की हौसला अफजाई के लिए जयपुर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर न्यू गेट, जोहरी बाजार होते हुए बड़ी चौपड़ तक गई। तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी की तिरंगा यात्रा का जोहरी बाजार में जामा मस्जिद के बाहर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जोरदार स्वागत किया उन्होंने यात्रा में शामिल लोगों पर फूल बरसाए और भारतीय सेना की हौसला अफजाई के लिए जमकर नारेबाजी की। यात्रा से पहले अल्बर्ट हॉल पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहलगाम में आतंकी अटैक के बाद भारत के लोगो के मन में एक ज्वार उठा था। यह गुस्से का ज्वार था। आतंकियों को उनके घर पाकिस्तान में घुस कर सेना ने मारा, इसके बाद लोगो का ज्वार शांत हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आंतकवाद के खिलाफ संदेश दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रदेशवासियों की ओर से देश के वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में चिन्हित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

भारतीय सेना पर देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है। वीर सशस्त्र बलों ने संयम और पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी छूट दी और भारतीय सेना ने भी साहस दिखाते हुए आंतकी अड्डों को समाप्त कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्भीक और निर्णायक निर्णयों तथा सेना के शौर्य के कारण देश को आंतकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों की अदम्य वीरता के कारण मिली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में भी हर गांव, शहर और हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों को सम्मान दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले पराक्रमी सैनिकों को नमन कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

बड़ी चौपड़ पहुंचने के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के कैंप ध्वस्त किए। रावलपिंडी से भी आगे जाकर हमला किया। पाकिस्तानियों ने तो सिर्फ छोटी मोटी फुलझड़ी छोड़ी, उनकी मिसाइल भारतीय सेना की टेक्नॉल्जी के सामने फूस हो गई और कुछ खास नहीं कर पाई। वहीं डिप्टी सीएम दिया कुमारी ,प्रेमचंद बेरवा सहित सरकार के लगभग अधिकांश मंत्री विधायक, सांसद और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी कार्यकर्ता यात्रा में मौजूद रहे।

लखनऊ स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के कारण ट्रेनें मार्ग परिवर्तित

जयपुर। उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य प्रगति के दौरान लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 4 व 5 पर कोनकोर्स निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के कारण रेलसेवाएं मार्ग परिवर्तित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार मुजफ्फरपुर-साबरमती रेलसेवा 15, 22, 29 मई, 5, 12, 19, 26 जून 3 जुलाई को परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मल्हौर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होकर, गोरखपुर-साबरमती रेलसेवा 17, 19, 24, 26, 31 मई, 2, 7, 9, 14, 16, 21, 23, 28, 30 जून, 7 जुलाई को परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मल्हौर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होकर, गोरखपुर-बठिंडा रेलसेवा 17 मई से 9 जुलाई तक परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मल्हौर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होकर, बठिंडा- गोरखपुर रेलसेवा 16 मई से 8 जुलाई तक परिवर्तित मार्ग कानपुर सेन्ट्रल, ऐशबाग, मल्हौर, बाराबंकी होकर संचालित होगी।

तीन बेटों के माता-पिता के शव मिले, छोड़ गए समाज में कई सवाल

झुंझुनू। बुजुर्ग पति-पत्नी की आत्महत्या की घटना समाज में कई सवाल खड़े कर रही है। मृतकों के तीन बेटे व बहूएं थी, लेकिन दोनों पति-पत्नी जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेले रह रहे थे। झुंझुनूं जिले के मुकुंदगढ़ में उम्र के अंतिम पड़ाव में बीमारी से तंग आकर एक बुजुर्ग दम्पती ने आत्महत्या कर ली। यह हृदयविदारक घटना मुकुंदगढ़ के वार्ड नंबर 16 स्थित नटवर नरेश मंदिर के पास की है। यहां 80 वर्षीय श्याम सुंदर दर्जी और उनकी 75 वर्षीय पत्नी चंद्रकला अपने मकान में मृत पाए गए। दोनों के शव अलग-अलग चारपाई पर संदिग्ध अवस्था में मिले। घटना मंगलवार रात्रि 13 मई 2025 की बताई जा रही है। मृतक दम्पती के दो बेटे जयपुर में और एक बेटा बेंगलूरु में अपने परिवार सहित रहते हैं। दोनों के शव समाज में कई सवाल छोड़ गए, आखिर ऐसे हालात क्यों बन रहे हैं? इसके लिए जिम्मेदार समाज है, सरकारी सिस्टम है, एकल परिवार है, रोजगार की कमी है या कुछ और? सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कर रही है।

बेटों को परेशान मत करना

बेटों व बहुओं ने भले ही अंतिम समय साथ नहीं रहे, लेकिन माता-पिता अपने बच्चों से गहरा लगाव रखते थे। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें महिला ने लिखा है कि बीमारी से तंग आकर मैं और मेरे पति अब दुनिया से जा रहे हैं। हमारे बेटों को परेशान मत करना।

बदबू आने पर देखा छत पर जाकर

पड़ोसी महेंद्र दाधीच को बदबू आई तो उन्होंने छत पर जाकर देखा। मकान में कूलर चल रहा था, लेकिन कोई हलचल नहीं दिखी। सूचना पर मुकुंदगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ कर अंदर दाखिल हुई। वहां दोनों अलग अलग चारपाई पर मृत पाए गए।

आस-पास के लोग करते थे मदद

मोहल्लेवासी महेश पासोरिया के अनुसार मृतक दम्पती मकान में अकेले ही रहते थे और अक्सर बीमार रहते थे। उन्होंने बताया कि बीमार होने पर पड़ोसी और आसपास के लोग ही अस्पताल ले कर जाते थे और खाने-पीने की व्यवस्था भी करते थे।

एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और शाम को शव परिजनों को सौंप दिए। दम्पती का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया।

अकेले रहते थे

बुजुर्ग दम्पती ने आत्महत्या की है। दम्पती मकान में अकेले रहते थे। इनके 2 बेटे जयपुर और 1 बेटा बेंगलूरु रहता है। घटना मंगलवार की है।

-रतनलाल, एएसआई, पुलिस थाना मुकुंदगढ़

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

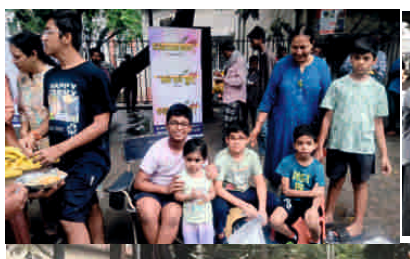

हैदराबाद (एजन्सी),

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई।

अवसर पर सतीश कुमार रामप्रकाश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल महेश अग्रवाल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता शीतल गुप्ता बिमल किशोर सांघी नमन सांघी ई-जगन (चंपा पेट) भगतराम गोयल संजय गोयल किरण गोयल प्रीतिका अग्रवाल राजेश योगा सरजी रोहित अग्रवाल अरविन्द गुप्ता उमा रानी देवांश गुप्ता आयुष गुप्ता प्रियांश गुप्ता और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

हिंदी लेखक संघ की महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर पर चर्चा और कवि गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 604वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में फलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गोष्ठी के प्रथम सत्र में महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कवि अशोक दोषी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और संचालन गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, संघ के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय नेकिया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर समाज सेवी शंकर अग्रवाल, श्रुतिकांत भारती, कवयित्री कम्मो बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता व कवि अशोक दोषी ने अपने व्याख्यान में कहा कि महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 को हमारे देश के बंगाल राज्य की राजधानी कोलकाता में हुआ था। वे लघु-कथा लेखक, गीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे, जिन्होंने बंगाली साहित्य में नये गद्य और पद्य रूपों और बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया। 1913 में वे साहित्य के लिए नोबल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले ग़ैर-यूरोपीय बने। अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि नोबल पुरस्कार गृहीता रवींद्रनाथ टैगोर के विचार मुख्यत: प्रेम, मानवता, प्रकृति, शिक्षा और राष्ट्रीयता पर केंद्रित थे। वे सत्य, सुंदरता और ज्ञान को महत्व देते थे तथा उनका मानना था कि जीवन एक सतत प्रयास और खोज है। प्रेम ही सबसे बड़ी शक्ति है और यह सभी मनुष्यों को आपस में जोड़ता है।

कवि गोष्ठी के अध्यक्ष चंपालाल बैद ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर प्रकृति के साथ एकरूपता और सामंजस्य स्थापित करने की बात करते थे और उनका मानना था कि प्रकृति से प्रेम करना हमें अपनी आत्मा को जानने में मदद करता है। इस अवसर पर बैंगलोर शहर में पुरस्कारों से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में कवि गोविंद अक्षय और शायर खलीश हैदराबादी का भव्य सम्मान कवयित्री कम्मो द्वारा किया गया। गीत चाँदनी और उसकी संबद्ध संस्थाओं द्वारा डॉ. रेखा देवी वर्मा को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने के उपलक्ष्य में उन्हें शॉल और मोतियों की माला से सम्मानित किया गया। डॉ. रेखा देवी वर्मा को उनके शोध विषय अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन के लिए पीएच. डी. की उपाधि दी गयी है। उस्मानिया विश्वविद्यालय से डॉ. अनिता एवं डॉ. संगीता व्यास के निर्देशन में श्रीमती रेखा देवी वर्मा ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के Arts कॉलेज से यह उपाधि प्राप्त की है।

आर्केड डेवलपर्स की कमाई में उछाल, क्यू4 एफ्वाय25 मुनाफा 70 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में प्रीमियम और लग्जरी आवासीय प्रोजेक्ट्स के लिए प्रसिद्ध स्थिल एस्टेट कंपनी आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 और चौथी तिमाही (क्यू4 एफ्वाय25) के अपने ऑडिटेड वित्तीय नतीजे जारी किए। आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमित जैन ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि क्यू4 एफ्वाय25 में साल दर साल मुनाफे में मजबूत वृद्धि और स्वस्थ मार्जिन विस्तार देखने को मिला, जो एक ऐसे साल का समापन है, जिसमें नेट प्रॉफिट में दो अंकों की वृद्धि और मार्जिन में निरंतर सुधार हुआ। यह प्रदर्शन हमारी कार्यान्वयन क्षमता, बिक्री की गति और अनुशासित संचालन दृष्टिकोण की मजबूती को दर्शाता है। हम क्यू4 एफ्वाय25 में अपनी ऑपरेशनल गति से भी बहुत प्रसन्न हैं, जब हमने अंधेरी ईस्ट, मलाड वेस्ट और बोरीवली वेस्ट में तीन महत्वपूर्ण रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ किया, जो मिलाकर लगभग पाँच एकड़ क्षेत्रफल में फैले हैं और 5.85 लाख वर्ग फीट प्रीमियम लिविंग स्पेस प्रदान करेंगे, जो हमारे पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा और भविष्य में बिक्री को बढ़ावा देगा। इस तिमाही के दौरान, हमने गोरेगांव वेस्ट में लक्जरी डेवलपमेंट के लिए एक प्रमुख जमीन का टुकड़ा भी अधिग्रहित किया।

2030 तक इलेक्ट्रिक कारें का होगा दबदबा

40 प्रतिशत रहेगा हिस्सा, 2019 की तुलना में बिक्री में 146 गुना वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। आईईए की रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में बिकने वाली कारों में 40 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक होंगी। वर्ष 2025 के अंत तक वैश्विक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 20 करोड़ के पार जा सकती है, यानी हर चौथी बिकने वाली कार इलेक्ट्रिक होगी।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ताजा रिपोर्ट 'ग्लोबल ईवी आउटलुक 2025' में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है। 2024 में दुनिया भर में 1.7 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जिससे वैश्विक बाजार में इनकी हिस्सेदारी पहली बार 20 फीसदी के पार पहुंच गई। वहीं 2025 की पहली तिमाही में बिक्री में 35 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई और कई बड़े बाजारों में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। भारत समेत एशिया और लैटिन अमेरिका के उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। 2024 में इन क्षेत्रों में ईवी की बिक्री में 60 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई।

तुर्किये-अजरबैजान से कारोबार करें या नहीं, तय करेंगे देशभर के व्यापारी

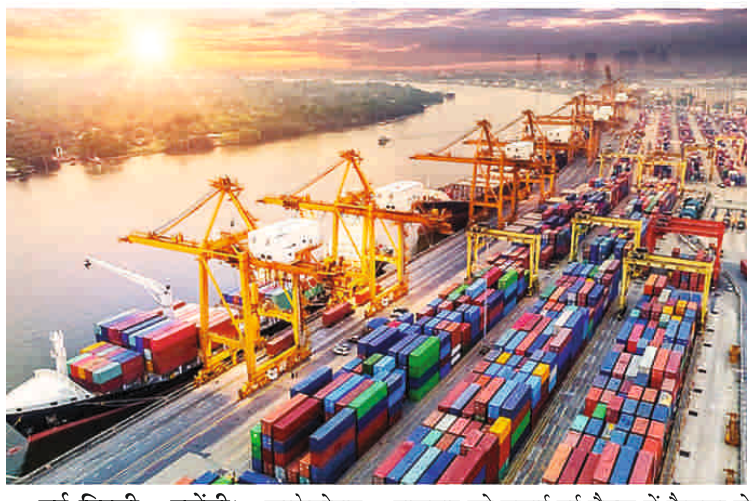

नई दिल्ली , एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की आज बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में देशभर के व्यापार यह तय करेंगे कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार किया जाए या नहीं।

देशभर के व्यापारियों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार खत्म करने की योजना बनाई है। इस पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की शुक्रवार को बुलाई गई बैठक में फैसला हो सकता है। तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने से दोनों देशों को अरबों डॉलर का नुकसान होगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जो भी देश भारत के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह देश के व्यापारियों के लिए अपनी देशभक्ति दिखाने का उचित समय है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही, भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा।

कैट ने बुलाई बैठक

खंडेलवाल ने कहा, कैट लंबे समय से चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहा है, जिसका काफी असर देखने को मिला है। ऐसा ही अभियान अब तुर्किये और अजरबैजान के उत्पादों के खिलाफ चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारिक बहिष्कार के कारण तुर्किये व अजरबैजान को अरबों डॉलर नुकसान होगा और दोनों देशों को भारत के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने यह भी कहा, हमने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों विशेष रूप से इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के बीच कोड शेयरिंग समझौते की फिर से जांच की जानी चाहिए। साथ ही, इसे रद्द किया जाना चाहिए।

पुणे समेत देशभर के के व्यापारियों ने भारत की ओर से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले की आलोचना करने वाले तुर्किये से आयात रोकने का फैसला किया है। वहीं, पुणे के व्यापारियों ने तुर्किये सेब और सूखे मेवों का आयात रोक दिया है और अन्य आयातित उत्पादों के भी बहिष्कार का फैसला किया है।

पुणे के कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारियों ने विरोध में बृहस्पतिवार को तुर्किये से आयात किए गए सेबों को सड़क पर फेंक दिया। पुणे के व्यापारी तुर्किये से सेब, लीची, आलूबुखारा, चेरी और सूखे मेवे आयात करते हैं। सिर्फ सेब का आयात ही करीब 1,200 करोड़ रुपये का होता है।

व्यापारी को पाकिस्तान से मिली धमकी

तुर्किये से सेब आयात बंद करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद पुणे के एक फल व्यापारी को पाकिस्तान से धमकी मिली है। कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारी सुयोग जेंडे ने बताया, सुबह करीब 9 बजे वॉयस मैसेज मिला, जिसमें भारत के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था और कहा गया कि हम पाकिस्तान या तुर्किये का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मैंने इस धमकी का जवाब वॉयस मैसेज से दिया। जेंडे ने बताया, इस मामले को लेकर व्यापारी पुणे पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 200 अंक कमजोर हुआ, निफ्टी में भी सुस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ

25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। इस दौरान सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार; सेंसेक्स लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था। ऐसे ही निफ्टी 395.20 अंक या 1.60 फीसदी बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 25,062.10 अंक पर पहुंच गया। अब जानिए आज का हाल... पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद मुनाफावसूली के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।

घांसी बाजार डिवीजन के भाजपा अध्यक्ष नितेश अग्रवाल का सम्मान

हैदराबाद (एजेंसी),

गोलकुंडा भाजपा के जिला अध्यक्ष टी .उमा महेंद्र द्वारा घांसी बाजार डिवीजन के अध्यक्ष के रूप में नितेश अग्रवाल की नियुक्ति के पश्चात नितेश अग्रवाल का रतन वाटिका , बालाजी निवास मिट्टी का शेर पेर विभिन्न समिति के पदाधिकारी द्वारा पुष्प माला एवं शाल द्वारा स्वागत सम्मान करते हुए प्रवीण शेट्टी , प्रवीण बंगडी अन्ना, उमेश सिंघानिया, तरुण अग्रवाल, पंकज वर्मा, आनंद तिवारी, अनिल बजाज, दिनेश सिंह, पवन मिश्रा, नरेश कुमार अवस्थी, विवेक नारायण संघी, अशोक सैन, सुनील सिंह, संतोष मुदिराज, श्याम नेल्लूरी, आकाश अग्रवाल, वैभव शर्मा, मुकेश अग्रवाल, उमेश सोनी, श्रीधर यादव, विकास गाड़िया, एवं अन्य उपस्थित थे।

भारत में सबसे तेज बढ़ेगी तेल की मांग

चीन से दोगुनी वृद्धि; लाभांश पर 23 मई को फैसला करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल उत्पादक संगठन ओपेक ने कहा है कि भारत की तेल मांग प्रमुख देशों में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। 2025 और 2026 में यह चीन की वृद्धि दर से दोगुनी हो जाएगी। भारत की तेल मांग 2024 में 55.5 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 2025 में 57.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि 3.39 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों से मदद मिलेगी। 2026 में तेल की मांग 4.28 प्रतिशत बढ़कर 59.9 लाख टन बीपीडी हो जाएगी। यह वृद्धि 2025 में चीन की मांग में 1.5 फीसदी व 2026 में 1.25 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि से अधिक है। अमेरिका 2025 में 2.05 करोड़ बीपीडी की मांग के साथ सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता बना रहेगा। चीन 2025 में 1.69 करोड़ बीपीडी व 2026 में 1.71 करोड़ बीपीडी के साथ दूसरे स्थान पर होगा।

लाभांश देने पर 23 मई को फैसला लेगा आरबीआई- आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने अपने आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा की है। इस समीक्षा के आधार पर ही सरकार को लाभांश दिया जाएगा। आरबीआई ने 2023-24 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ का लाभांश दिया था। इस बार लाभांश भुगतान अधिक होने की उम्मीद है।

वर्या क्रिएशंस व सात प्रवर्तकों पर सेबी का प्रतिबंध- आईपीओ रकम के दुरुपयोग के चलते सेबी ने वर्या क्रिएशंस और उसके सात प्रवर्तकों पर शेयर बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन्वेंचर मर्चेंट बैंकिंग को नए कारोबार लेने पर रोक लगा दी है।

निर्यात 9 फीसदी बढ़ा, व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की अच्छी रही मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारण अप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग उत्पादों की मांग में अच्छी वृद्धि के कारण भारत का निर्यात अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 9.03 फीसदी बढ़कर 38.49 अरब डॉलर पहुंच गया। कच्चे तेल और उर्वरक की खरीदारी बढ़ने से देश का आयात भी एक साल पहले की तुलना में 19.12 फीसदी बढ़कर 64.91 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारण अप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात अप्रैल में 39.51 फीसदी बढ़कर 3.69 अरब डॉलर पहुंच गया। इंजीनियरिंग निर्यात 11.28 फीसदी बढ़कर 9.51 अरब डॉलर हो गया।

कच्चे तेल का आयात 25.6 फीसदी बढ़कर 20.7 अरब डॉलर हो गया। सोने का आयात 4.86 फीसदी की वृद्धि के साथ 3.09 अरब डॉलर रहा।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, 2025 के लिए सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 35.31 अरब डॉलर था जो अप्रैल, 2024 में 30.18 अरब डॉलर था। सेवाओं के आयात का अनुमानित मूल्य 17.54 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल, 2024 में 16.76 अरब डॉलर था।

आंकड़ों के मुताबिक, टैरिफ वार के बीच भारत से अमेरिका निर्यात 27.3 फीसदी बढ़कर 8.42 अरब डॉलर पहुंच गया।

टेस्ट कप्तानी की रेस में राहुल का नाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बुमराह बड़े दावेदार, फिटनेस परेशानी

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।बुमराह अक्सर फिटनेस से जूझते नजर आए हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं। इसलिए उनका परमानेंट कप्तान बनना मुश्किल है।फिर भी अगर बुमराह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहें। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह ने फिटनेस का हवाला देते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है। उनका इंग्लैंड में सभी मैच खेलना भी मुश्किल है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड में सेंचुरी लगा चुके

भारत की मौजूदा टीम में कुछ ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती। ऋषभ पंत उनमें से एक हैं। पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं। वे इस फॉर्मेट में कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। पंत ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपर भी हैं।पंत को कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की रहती है। मैनेजमेंट अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही कप्तानी में भी चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पंत ने किसी भी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी नहीं की। हालांकि, उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव जरूर है।

शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

शुभमन कप्तानी की रेस बुमराह के बाद सबसे आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी।अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है।

फिटनेस की वजह से पिछड़ सकते हैं बुमराह, युवा शुभमन और पंत भी दावेदार

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले तिरुपति मंदिर पहुंचे संजीव गोयनका, मांगीं मन्नतें

तिरुमाला (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के चेयरमैन और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम के मालिक संजीव गोयनका और उनके परिवार ने तिरुपति तिरुमाल मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर, जो भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, भारत के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है, जो हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है।

संजीव गोयनका और उनके परिवार का मंदिर दर्शन भारतीय प्रीमियर लीग के इस सीजन के फिर से शुरू होने से एक दिन पहले हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले गुरुवार को, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव को चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष सीजन से बाहर कर दिया गया। आईपीएल ने एक बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। 22 वर्षीय यादव को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओराउरके ने रिप्लेस किया है। उन्हें पीठ की चोट है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) वर्तमान में आईपीएल 2025 अंक तालिका में 7वें स्थान पर है, उनके पास 11 मैचों में 10 अंक हैं। उनकी नेट रन रेट (एनआरआर) -0.469 है। एलएसजी ने 14 लीग मैचों में से 5 जीते और 6 हारे हैं। प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं कम हैं, क्योंकि शीर्ष चार टीमें (गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, और मुंबई इंडियंस) के पास 14 से 16 अंक हैं। लखनऊ को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

मयंक यादव साल में तीसरी बार चोटिल, आईपीएल से हुए बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (पूर्व में एनसीए) को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब भारत के उभरते तेज गेंदबाज मयंक यादव को पीठ की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर होना पड़ा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने घोषणा की कि मयंक की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ'राउरके शेष टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल होंगे। मयंक ने छह महीने के 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वापसी की थी, लेकिन दो मैचों में 8 ओवरों में 100 रन देकर केवल 2 विकेट ले सके। उनकी गेंदबाजी की गति में 15 किमी प्रति घंटे की कमी देखी गई और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी बदलाव नजर आया। रिकॉर्ड के अनुसार, मयंक ने 30 मार्च 2024 से 4 मई 2025 के बीच 9 टी20 मैच खेले, जिसमें पिछले साल लखनऊ के लिए 4 मैच शामिल थे, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सुर्खियां बटोरी थीं।

आईसीसी के फैसले से टीम इंडिया की बल्ले-बल्ले, डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद मिलेगा मोटा पैसा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में एक महीने से कम समय में होगा। आईसीसी ने पुष्टि की कि विजेता को 3.6 मिलियन डॉलर (लगभग 30.79 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जो पिछले संस्करणों (2021 और 2023) के 1.6 मिलियन डॉलर से दोगुना है। कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन डॉलर है, जो पहले के चक्रों से अधिक है। उपविजेता को 2.16 मिलियन डॉलर (लगभग 18.48 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो पिछले 0.8 मिलियन डॉलर से काफी ज्यादा है। तीसरे स्थान पर रही भारत को 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस चक्र में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें कई खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और फाइनल में दो मजबूत टीमों का मुकाबला क्रिकेट का उत्सव है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला दुनिया भर के प्रशंसकों को शानदार टेस्ट क्रिकेट का अनुभव देगा उन्होंने दोनों टीमों को इस ऐतिहासिक मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। दक्षिण अफ्रीका, 2023-25 डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर रही, ने पाकिस्तान, वेस्ट इंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर और भारत के साथ घरेलू ड्रॉ के साथ फाइनल में जगह बनाई। यह उनकी पहली डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने की कोशिश होगी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि फाइनल में पहुंचना हमारे लिए बड़ा अवसर है। टेस्ट क्रिकेट के महत्व को समझते हुए, हम लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। 11 जून को होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्साह चरम पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हराकर 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू व विदेशी सीरीज में जीत और पाकिस्तान को 3-0 से रौंदने के साथ उन्होंने अपनी जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य टूर्नामेंट के पहले दो बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है। कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी खिताब का बचाव करना गर्व की बात है।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिब्लिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सिलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तान: अश्विन

चेन्नई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

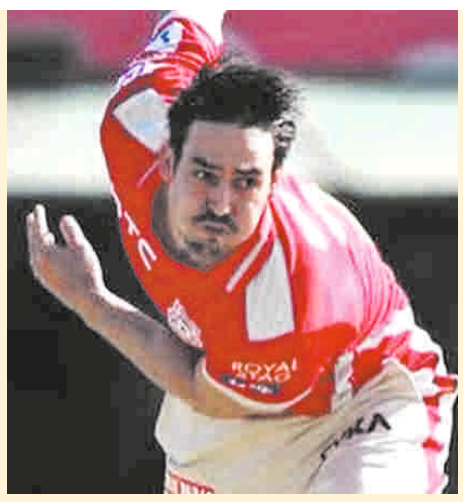

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।

राजभवन में मनाया गया सिक्किम स्थापना दिवस समारोह

हैदराबाद
(एजन्सी),

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन के दरबार हॉल में सिक्किम स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने 16 मई, 1975 को सिक्किम के राज्य बनने के ऐतिहासिक अवसर को श्रद्धांजलि दी और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत की सराहना की।

उन्होंने सिक्किम को पूर्वोत्तर का एक चमकता हुआ रत्न बताया, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, अग्रणी जैविक खेती और विविध समुदायों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए प्रसिद्ध है। राज्यपाल ने सिक्किम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गहराई पर प्रकाश डाला, इसके मठों, त्योहारों और जैव विविधता को राष्ट्रीय गौरव के स्रोत के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने तेलंगाना और सिक्किम के बीच एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बंधन को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए वीर जवानों और 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए एक मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी तथा हैदराबाद में रहने वाले सिक्किमी समुदाय के उत्साही सदस्य शामिल हुए।

कलेक्टर ने की मंत्रीयो से वीडियो कॉन्फ्रेंस

आदिलाबाद
(एजन्सी),

धान खरीद और अन्य मुद्दों पर राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई और विभिन्न सुझाव दिए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्रियों ने कहा कि धान संग्रह केंद्र निचले इलाकों में नहीं होने चाहिए और किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप अपने धान को गीला न होने देने के लिए सावधान रहना चाहिए। संबंधित संगठन के अधिकारियों को धान संग्रह केंद्रों का दौरा करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हों।जिला प्रबंधक ने कहा कि नागरिक आपूर्ति संगठन द्वारा धान संग्रह केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में बैग उपलब्ध कराए जाने चाहिए और प्रतिकूल समाचार प्रकाशित नहीं किए जाने चाहिए। धान की शिफ्टिंग के समय, इसे सभी तरफ से ढक दिया जाना चाहिए और ठेकेदारों को हमेशा धान को स्थानांतरित करना चाहिए।इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से बोलते हुए जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने कहा कि जिले में यासंगी (2024-25) वर्ष के लिए 467 मीट्रिक टन धान का उत्पादन होने की उम्मीद है, और किसानों को ग्रेड-ए किस्म के लिए 2320 रुपये, सामान्य किस्म के लिए 2300 रुपये और घटिया किस्म के धान के लिए 500 रुपये का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अब तक जिले में 26 किसानों से 110 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है, और तिरपाल, धान क्लीनर, बारदाना, तौल मशीन और अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि खरीदे गए धान को तुरंत मिल में ले जाया जाएगा और किसानों को व्यापक रूप से जागरूक किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त कलेक्टर श्यामला देवी, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी वाजिद अली, जिला कृषि अधिकारी श्रीधर स्वामी, जिला नागरिक आपूर्ति प्रबंधक सुधारानी और अन्य ने भाग लिया।

सीएम सिद्धरामैया ने की होस्पेट में समर्पण सभा मे बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील

बल्लारी
(एजन्सी),

राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में 20 मई को विजयनगर जिले के होस्पेट में एक समर्पण सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जनता से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने शुक्रवार को विजयनगर जिले के होस्पेट में समर्पण संकल्प सम्मेलन कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बात की। राज्य सरकार 20 मई 2023 को अस्तित्व में आई और अब दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की बैठक में हमने पांच गारंटी के क्रियान्वयन पर चर्चा की और शक्ति योजना, अन्नभाग्य, गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी और युवनिधि योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया और हमने वादे के अनुसार काम किया है। पंच गारंटी योजनाओं के लिए ही 90 हजार करोड़ रुपये खर्च किया गया है। पिछले वर्ष अकेले गारंटी

योजनाओं पर 52.9 हजार करोड़ रुपये आरक्षित किया था। इस वर्ष 50.18 हजार करोड़ रुपये इसे आरक्षित रखा गया है, तथा आवश्यकता पड़ने पर और अधिक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2024-25 में 3,71,000 करोड़ रुपये का बजट बड़ा था। 2025-26 के लिए बजट का आकार 4,09,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया गया है। इसमें लगभग 38,000 करोड़ रुपये वृद्धि हुई है और हमारी सरकार ने वादे के अनुसार काम किया है।

विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारी सरकार द्वारा क्रियान्वित गारंटी योजनाएं देश के लिए आदर्श हैं।हमारी राज्य सरकार ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के सात जिलों के विकास के लिए 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ही इस क्षेत्र में धारा 371 (जे) का विशेष दर्जा लागू किया है।राजस्व विभाग 20 मई को आयोजित होने वाले लोकार्पण समारोह में हाडी, हट्टी और तांडा क्षेत्रों के कम से कम 1.03 लाख लाभार्थियों को मालिकाना हक वितरित किया जाएगा। सीएम सिद्धरामय्या ने कहा कि लोगों को सुविधाएं समर्पित करने के लिए यह लोकार्पण सभा कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्षी नेताओं और विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से लाभार्थियों को लाया जाएगा। इसमें कम से कम 3 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्रीगण बी.जेड. ज़मीर अहमद खान, डॉ. एच.के. पाटिल, कृष्णा बैरेगौड़, शिवराज तंगडगी, एन. चालुवरायस्वामी, भैरती सुरेश, एन.एस. भोसराजू, सांसद ई. तुकाराम, विधायकगण एच.आर. गवियप्पा, बी. नागेंद्र, जे.एन. गणेश, एम. पी. लता, श्रीनिवास नायक और बल्लारी और विजयनगर जिलों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

माता की पुण्य तिथि पर जयपुर, जोधपुर व उदयपुर छात्रावास हेतु 50-50 हजार रु. के चेक सौंपें

बिलाड़ा
(एजन्सी),

गोपाराम पंवार ने अपने माता स्व. सिगी देवी धर्मपत्नी स्व. ऊर्जाराम पंवार की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर उदयपुर छात्रावास - 03.51 लाख रु. व जयपुर छात्रावास - 05.11 लाख रु. व जोधपुर छात्रावास 03.25 लाख रु. कमरा निर्माण की घोषणाऐं पूर्व में करने व राशि जारी करने के बाद आज .16. मई को श्री आईमाताजी मंदिर बिलाड़ा में धर्मगुरु दीवान साहब के कर कमलों द्वारा वि. स. 2082 साल शिक्षा को समर्पित अभियान के तहत उदयपुर, जयपुर व जोधपुर छात्रावास निर्माण के निमित 50-50 हजार रुपए के चेक सुपुर्द किए ।गोपाराम पंवार के राष्ट्रीय समन्वयक, नशा मुक्ति एवं समाज सुधार अभियान होने के नाते पिछले 25 सालों से नशीली चीजों पर कोई भी राशि व्यय नहीं की, साथ ही सामाजिक व पारिवारिक आयोजनों में कुरितियां एवं रुढ़िवादी परम्पराओं को मिटाने में संघर्षरत रहते हुए समय की मांग अनुसार मितव्ययिता बरतते आये है साथ सीरवी शिक्षा विकास समिति राजस्थान के अध्यक्ष होने के नाते एक प्रेरक की भूमिका निभाने का प्रयास किया जा रहा है उसी का नतीजा है कि आज शिक्षा विकास में लगातार शिक्षा नेग दे रहे हैं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय सीरवी समाज छात्रावास ट्रस्ट, जयपुर के अध्यक्ष नंदाराम मुलेवा, श्रीमती एवं सी.आर. चौधरी प्रेजिडेंट, चीफ ऐकेडमिक आफिसर, ऐलेन कोटा, गोविंद सिंह, रोबड़ी व मोहनसिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

राउडीशीटर नहीं सुधरे तो लगेगा पीडी ऐक्ट

करीमनगर
(एजन्सी),

ग्रामीण सर्किल में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर नजर रखते हुए पुलिस द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में करीमनगर ग्रामीण सर्किल इंस्पेक्टर ए. निरंजन रेड्डी ने शुक्रवार को 25 राउडीशीटरों की काउंसलिंग की और उन्हें चेतावनी दी कि यदि वे अपनी आदतें नहीं सुधारते तो उनके खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) ऐक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और उन्हें वर्षों तक जेल में ही रहना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि पूर्व में विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे और पुलिस रिकॉर्ड में

हिस्ट्रीशीटर के रूप में दर्ज इन लोगों को अब सुधर जाना चाहिए।

यदि वे सुधरकर अच्छा व्यवहार दिखाते हैं तो उनके नाम पुलिस रिकॉर्ड से हटाए जा सकते हैं। लेकिन यदि वे पुराने रास्ते पर ही चलते रहे, तो समाज उन्हें बहिष्कृत करेगा, न ही कोई उनसे दोस्ती करेगा और न ही उनके परिवारों को सामाजिक मान्यता मिलेगी। निरंजन रेड्डी ने बताया कि पुलिस आयुक्त गाउस आलम और ग्रामीण एसीपी शुभम प्रकाश नागराला के निर्देशानुसार यह काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के लिए राउडीशीटरों को अपने परिवारों की जिम्मेदारी समझते हुए वैकल्पिक आजीविका तलाशनी चाहिए। उन्होंने यह भी चेताया कि यदि पुराने अपराधी नहीं सुधरे, तो इसका प्रभाव उनकी संतानों पर भी पड़ेगा, उनके बच्चे सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ सकते हैं, उनके विवाह जैसे शुभ कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पाँच वर्षों से अपराधों में संलिप्त न रहे, बीमार हैं और अच्छे व्यवहार का प्रदर्शन कर रहे व्यक्तियों के नाम रिकॉर्ड से हटाने पर विचार किया जा रहा है। पुलिस विभाग जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप सेवा देने के लिए तैयार है और आम जनता से अपेक्षा की जाती है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक लक्ष्मा रेड्डी के अलावा कुल 25 हिस्ट्रीशीटरों ने भाग लिया।

सामरिक धातुओं के लिए एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना: मिधानि का रक्षा सम्मेलन 2025

हैदराबाद
(एजन्सी),

रक्षा क्षेत्र में भारत सरकार की दूरदर्शी "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" पहलों के अनुरूप, रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख रक्षा पीएसयू, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने 16 मई को हैदराबाद में अपने परिसर में "रक्षा में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई सम्मेलन – 2025" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा मिधानि के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने किया। डॉ. मूर्ति ने महत्वपूर्ण धातुओं के स्वदेशीकरण में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जिनमें से कई को वर्तमान में भारत की सामरिक और रक्षा परियोजनाओं के लिए आयात किया जा रहा है। उन्होंने रक्षा सामग्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए

घरेलू क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में मिधानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) टी. मुत्तुकुमार भी उपस्थित थे, जिन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और सरकार की "मेकइन इंडिया" और "रक्षा में आत्मनिर्भरता" पहलों के प्रति मिधानि के अटूट समर्थन को दोहराया। उन्होंने रणनीतिकसामग्रियों और विनिर्माण में नवाचार और क्षमता विकास को बढ़ाने के लिए एमएसएमई के साथ निरंतर सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। श्रीमती के. मधुबाला, महाप्रबंधक (वित्त) ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे समावेशी और सहयोगी विक्रेता जुड़ाव के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता का पता चलता है। कार्यक्रम की शुरुआत मिधानि के अपर महाप्रबंधक (प्रभारी, क्रय) शुभदीप घोष के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का हार्दिक स्वागत किया और मिधानि तथा उसके एमएसएमई भागीदारों के बीच सहयोगात्मक विकास के महत्व रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में मिधानि से जुड़े लगभग 50 एमएसएमई विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सम्मेलन विक्रेताओं के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, विचारों को साझा करने और रक्षा विनिर्माण तथा आपूर्ति श्रृंखला विकास में सहयोगी अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। एमएसएमई हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचनात्मक और संवादात्मक सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई: 1. सृजन पोर्टल पर प्रस्तुति - मिधानि के एजीएम (सामग्री) के. राजकुमार द्वारा, रक्षा मंत्रालय के स्वदेशीकरण पोर्टल के माध्यम से एमएसएमई के लिए अवसरों की व्याख्या की। 2. एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति पर प्रस्तुति - एमएसएमई के सहायक निदेशक द्वारा, नीतिगत लाभ, आरक्षण मानदंड और एमएसएमई भागीदारी के लिए सरकारी समर्थन पर प्रकाश डाला गया। 3. टीआरईडीएस (व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली) पर प्रस्तुति - आरएक्सआईएल टीम (सिडबी और एनएसई का एक संयुक्त उद्यम) द्वारा, एमएसएमई के लिए तरलता में सुधार करने वाले डिजिटल वित्तपोषण तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया। एमएसएमई विकास संस्थान, हैदराबाद और आरएक्सआईएल के विशेष अतिथि भी मौजूद थे और उन्होंने एमएसएमई विक्रेताओं को सशक्त बनाने के लिए बहुमूल्य जानकारी दी। इस सम्मेलन ने स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने और एमएसएमई सहयोग के माध्यम से एक मजबूत और लचीला रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मिधानि की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

हुजुराबाद में गोहत्या रोकने की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

करीमनगर
(एजन्सी),

देशी गोवंश संरक्षण संवर्धन समिति, तेलंगाना गो-रक्षा विभाग और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हुजूराबाद तहसीलदार और पुलिस निरीक्षक करुणाकर को ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर गो-रक्षा राज्य समिति के सदस्य उटकुरी राधाकृष्ण रेड्डी ने मांग की कि हुजूराबाद मंडल क्षेत्र में जो लोग गायों की हत्या कर रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर सख्त सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में जो अवैध गोवधशालाएं चल रही हैं, उन्हें तुरंत बंद किया जाना चाहिए। इसके अलावा, कब्जे में ली गई गोचर भूमि को भी मुक्त कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बकरीद के अवसर पर गोरक्षक जो गायों को बचाते हैं, वे जब पुलिस को जानकारी देते हैं, तब पुलिस उन्हें गंभीरता से नहीं लेती। ऐसे में राज्य सरकार को गोरक्षकों को पहचान पत्र जारी करने की आवश्यकता है, ताकि वे अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि गायों की रक्षा की भावना से संयुक्त आंध्रप्रदेश सरकार ने वर्ष 1977 में गोहत्या निषेध अधिनियम को लागू किया था, जो अब तेलंगाना राज्य में भी प्रभावी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 में भी गोवंश संरक्षण का प्रावधान है। इसके बावजूद राज्य में अवैध रूप से व्यापक पैमाने पर गोहत्या हो रही है। प्रतिबंधित बैलों की भी हत्या की जा रही है, विशेषकर बकरीद के समय यह घटनाएं अधिक होती हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की जा रही है कि वे गोहत्या निषेध अधिनियम को सख्ती से लागू करें और आवश्यक कदम उठाएं। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष कळ्लेम सुधाकर राव, मंडल अध्यक्ष कंकणाल रमेश रेड्डी, हुज़ूराबाद टाउन सचिव कनकम श्रीनिवास, कार्यकर्ता मधुकर रेड्डी, प्रवीण, रमणा रेड्डी सहित कई लोग शामिल हुए।

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net